RNI NO.: RJHIN/26/A5495

निष्पक्ष निर्भीक जनहितकारी पत्रकारिता

www.brahmoskanayasavera.in
E-mail : brahmoskanayasavera@gmail.com

ब्रह्मोस का नया सवेरा

हम बनेंगे जनता की आवाज

दैनिक | वर्ष - 01 | अंक - 1 | राजस्थान, सोमवार, 29 जून 2026 | कुल पृष्ठ: 4 | BrahmosKaNayaSavera

वेनेजुएला भूकंप में उजड़ गया अर्जेंटीना के फुटबॉलर का परिवार

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप ने अर्जेंटीना के फुटबॉलर लुकास ट्रेजो की जिंदगी को गहरे सदमे में डाल दिया है। वेनेजुएला के शीर्ष फुटबॉल क्लब डिपोर्टिवो ला गुआइरा ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि अर्जेंटीना के डिफेंडर लुकास ट्रेजो की पत्नी यानिना मारानेला और उनके दोनों बच्चों एरॉन तथा आइनोआ ट्रेजो की भूकंप में मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, वेनेजुएला के याराकुई क्षेत्र में आए दो शक्तिशाली भूकंपों के दौरान परिवार जिस अपार्टमेंट में रह रहा था, वह पूरी तरह ढह गया। हादसे के बाद परिवार लापता हो गया था। कई दिनों तक राहत एवं बचाव दल, स्थानीय स्वयंसेवकों और परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन बाद में उनकी मौत की पुष्टि कर दी गई।

पत्नी और दो बच्चों की मौत

मैच की तैयारी में थे लुकास ट्रेजो

हादसे के समय लुकास ट्रेजो अपनी टीम के साथ राजधानी कराकास में आगामी मुकाबले की तैयारी कर रहे थे। इसलिए वह घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। जैसे ही उन्हें हादसे की जानकारी मिली, उन्होंने अपने परिवार की तलाश शुरू कर दी।

डिपोर्टिवो ला गुआइरा क्लब ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, %डिपोर्टिवो ला गुआइरा परिवार खिलाड़ी लुकास ट्रेजो की पत्नी यानिना मारानेला और उनके बच्चों एरॉन व आइनोआ ट्रेजो के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति और लुकास व उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में शक्ति प्रदान करे।%

परिवार के लापता होने के बाद लुकास ट्रेजो ने इंस्टाग्राम पर भावुक अपील करते हुए लिखा था, %प्लाया ग्रांडे में हमारी बिल्डिंग गिर गई है। मुझे अपने परिवार के बारे में कुछ भी पता नहीं है। कृपया उनके लिए प्रार्थना करें और यदि किसी ने उन्हें देखा हो तो यह संदेश साझा करें।

भारत और सेशेल्स अहम साझेदार - पीएम मोदी बोले- हिंद महासागर हमारा साझा घर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स की संसद को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, ÷इस राष्ट्रीय सभा को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में आपके समक्ष खड़ा होना मेरे लिए विशेष सम्मान की बात है। मैं भारत की 1.4 अरब जनता की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई लेकर आया हूं। पीएम मोदी ने कहा, %%प्रधानमंत्री के रूप में मैंने हिंद महासागर क्षेत्र में जिस पहले देश का दौरा किया, वह 2015 में सेशेल्स था। मैं यहां इसलिए आया था क्योंकि मेरा मानना है कि हिंद महासागर के लिए भारत की परिकल्पना में सेशेल्स का एक विशेष स्थान है। एक दशक बाद यहां लौटकर मेरा यह विश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत है। आपकी स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के इस उत्सव में शामिल होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।÷

पीएम मोदी ने सेशेल्स से भारत के संबंधों को लेकर क्या कहा?

सेशेल्स की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ÷हमारी मित्रता 50 साल पहले हमारे राजनयिक संबंधों की स्थापना के साथ शुरू नहीं हुई थी। इसकी शुरुआत बहुत पहले अगस्त 1770 में हुई थी। सेंट ऐनी द्वीप पर थेलेमाक नामक जहाज से पहुंचने वालों में पांच भारतीय भी थे। उस यात्रा ने कई और लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त किया। समय के साथ, उनकी कहानियां आधुनिक सेशेल्स के इतिहास का हिस्सा बन गईं।÷

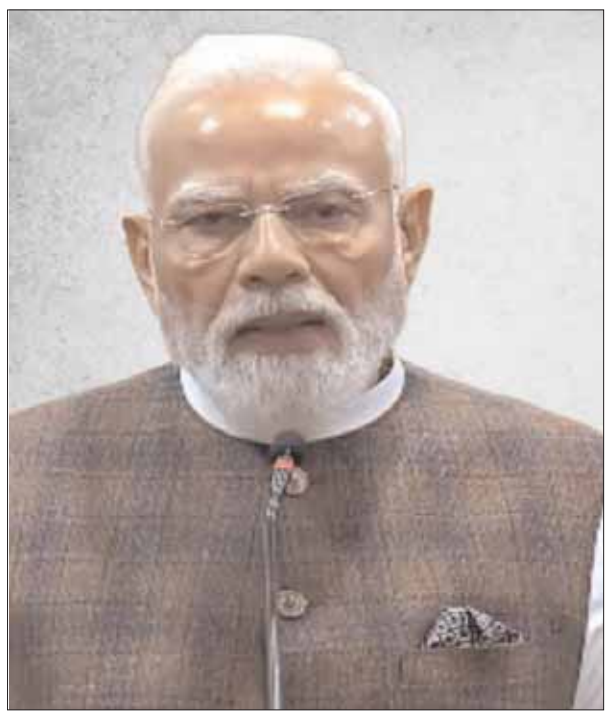

उन्होंने कहा, ÷यह हमें याद दिलाता है कि हमारे बीच के संबंध सरकार द्वारा नहीं बनाए गए थे। इन्हें लोगों ने गढ़ा, परिवारों ने पोषित किया और पीढ़ियों ने कायम रखा। हिंद महासागर ने इसे संभव बनाया। हिंद महासागर भारत और सेशेल्स को अलग नहीं करता, बल्कि हमें जोड़ता है। इसीलिए हम अजनबियों की तरह नहीं, बल्कि पुराने दोस्तों की तरह मिलते हैं।÷

हिंद महासागर के महत्व पर क्या बोले पीएम मोदी?

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि हिंद महासागर एक बाधा नहीं, बल्कि एक पुल है जो दोनों देशों को पुराने दोस्तों के रूप में जोड़ता है। उन्होंने कहा, ÷हिंद महासागर भारत और सेशेल्स को अलग नहीं करता, यह हमें जोड़ता है। इसीलिए हम अजनबियों के रूप में नहीं, बल्कि पुराने दोस्तों के रूप में मिलते हैं।÷

अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सदन को संबोधित करने के निमंत्रण को दुर्लभ विशेषाधिकार बताया। उन्होंने 8वीं राष्ट्रीय असेंबली के नवनिर्वाचित सदस्यों को भी बधाई दी और सदन की पहली महिला अध्यक्ष के चुनाव की विशेष रूप से सराहना की।

क्या फिर होर्मुज बंद कराने लौटेगी अमेरिकी सेना

अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष पर कहने को तो 17 जून से युद्ध विराम की स्थिति है, लेकिन बीते 11 दिन में दोनों देशों के बीच कम से कम तीन दिन टकराव हो चुका है। इस टकराव का केंद्र रहा है होर्मुज जलडमरूमध्य, जिस पर नियंत्रण को लेकर ही सारा विवाद पैदा हो रहा है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल, ट्रंप ने ईरान के साथ फिर शुरू हुए संघर्ष को लेकर संकेत दिया है कि अमेरिकी सेना युद्ध को खत्म करने के लिए फिर पश्चिम एशिया क्षेत्र में लौट सकती है।

दोनों देशों के ताजा संघर्ष की बात करें तो ईरान की तरफ से होर्मुज में गुरुवार को एक वाणिज्यिक पोत को निशाना बनाए जाने के बाद अमेरिका ने शुक्रवार और फिर शनिवार को ईरान में कई ठिकानों को हवाई हमलों से निशाना बनाया। इस बीच इस्राइल ने भी मौके का फायदा उठाते हुए लेबनान के साथ अंतरिम युद्धविराम को ठेंगा दिखाते हुए उस पर हमले किए। इनमें कुछ लोगों के हताहत होने की खबरें हैं।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में क्या हुआ, जिसके चलते दोनों देश युद्ध विराम समझौते के एलान के बावजूद आमने-सामने आ गए? फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य और पश्चिम एशिया में क्या हालात हैं? यहां से होने वाली जहाजों की आवाजाही पर क्या असर पड़ा है? अमेरिका-ईरान की घरेलू राजनीति में इस वक्त क्या चल रहा है? दोनों का युद्ध आगे क्या राह ले सकता है और क्या ट्रंप एक बार फिर नौसेना को पश्चिम एशिया में उतारने का जोखिम मोल लेंगे? आइये जानते हैं...

पहले जानें- क्यों युद्ध विराम समझौते के बाद फिर आमने-सामने अमेरिका-ईरान

अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध विराम का समझौता (एमओयू) होने के बावजूद दोनों देशों में एक बार फिर सैन्य संघर्ष शुरू हो चुका है। इसकी मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच लगातार गहराता विवाद है। दोनों देश एक-दूसरे पर समझौते की शर्तों को तोड़ने का आरोप लगा रहे हैं। हालिया समय में तनाव की शुरुआत तब हुई जब ईरान ने कथित तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य के पास से गुजर रहे सिंगापुर के झंडे वाले एक वाणिज्यिक जहाज एवर लवली पर ड्रोन से हमला किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले को युद्ध विराम समझौते का मूर्खतापूर्ण उल्लंघन करार दिया। इसके जवाब में, अमेरिका ने ईरान के तटीय रडार साइटों, मिसाइल और ड्रोन भंडारण स्थानों पर लगातार हवाई हमले किए।

अमेरिका की इस कार्रवाई के बाद, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागकर जवाबी हमला किए।

अंतरिम समझौते के बावजूद क्यों होर्मुज को लेकर भिड़ रहे हैं अमेरिका-ईरान

14-सूत्रीय युद्ध विराम समझौते के तहत ईरान को 60 दिनों के लिए बिना किसी शुल्क के वाणिज्यिक जहाजों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करना था, जो अमेरिका के लिए ईरान की मुख्य रियायत थी। हालांकि, ईरान होर्मुज को खोलने के बावजूद इस पर अपना नियंत्रण बरकरार रखने की कोशिश में है। वह इसे भविष्य में अमेरिका के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत के रूप में देख रहा है।

काला रंग देख पुलिस के छूटे पसीने! जनसभा में महिला ने सरेराह बदलवाई बुजुर्ग की साड़ी

हाथरस के सलेमपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभा में सुरक्षा का एक अनोखा और सख्त पहरा देखने को मिला। सभा स्थल पर काले रंग के कपड़ों (काली टी-शर्ट, काला दुपट्टा, काली साड़ी और काले गमछे) पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई थी। इस %ब्लैक-फोबिया% के बीच जहां कई लोगों को मायूस लौटना पड़ा, वहीं एक महिला की सूझबूझ और जुगाड़ सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है।

%योगी जी को सुने बिना नहीं जाऊंगी.. और बदल डाली साड़ी

गांव टोंड से मुख्यमंत्री को सुनने पहुंची रूपल के साथ एक बुजुर्ग महिला भी आई थीं, जो संयोग से काली साड़ी पहने हुए थीं। मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने काले रंग के कारण उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। इस पर रूपल ने हार नहीं मानी। उनका कहना था, ÷साड़ी के काले रंग की वजह से मुख्यमंत्री को न सुन सकें, ऐसा नहीं हो सकता।÷ रूपल तुरंत उस बुजुर्ग महिला को जनसभा स्थल के एक किनारे ले गईं, वहां सुरक्षाकर्मियों की नजरों से बचकर उनकी साड़ी बदली (ओटक कर दूसरी साड़ी पहनाई) और फिर शान से अंदर प्रवेश पा लिया।

गेट पर ही जमा करा लिए दुपट्टे और गमछे

सुरक्षा का यह सख्त रुख कई अन्य लोगों के लिए मुसीबत बन गया।

काली टी-शर्ट- जनसभा में जो युवक काली टी-शर्ट पहनकर आए थे, उन्हें पुलिस ने गेट से ही वापस घर भेज दिया। दुपट्टे और गमछे- जो महिलाएं काला दुपट्टा ओढ़कर आई थीं या जो पुरुष काला गमछा लेकर आए थे, सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें गेट पर ही रखवा लिया। 50 किलोमीटर का सफर रहा बेकार

सहपऊ ब्लॉक के गांव बढ़ार से आए मनवीर सिंह सिर्फ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भाषण सुनने के लिए 50 किलोमीटर दूर सादाबाद विधानसभा से सलेमपुर पहुंचे थे। लेकिन उन्होंने अनजाने में काली टी-शर्ट पहन रखी थी, जिसके कारण पुलिस ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। मनवीर ने निराश होकर कहा कि सिर्फ एक टी-शर्ट के रंग की वजह से उन्हें मुख्यमंत्री को सुने बिना ही वापस लौटना पड़ रहा है।

अपने गिरेबान में झांके पाकिस्तान कराची आतंकी हमले के आरोप पर भारत ने इस्लामाबाद को दिया मुंहतोड़ जवाब

भारत ने कराची में हाल ही में हुए विस्फोट को लेकर पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए उसे अपने अंदर झांकने की भी नसीहत दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कराची की घटना को लेकर पाकिस्तान द्वारा भारत पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय पाकिस्तान को अपने भीतर झांकना चाहिए। रणधीर जायसवाल ने कहा कि उसे अपनी सरजमीं पर मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद को राज्य की नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी प्रवृत्ति भी छोड़नी चाहिए।

कराची शहर में सिंध रेंजर्स के एक कैंप पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने इस हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया था। पाकिस्तान ने हमलावर प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-अहरार को %भारतीय समर्थित संगठन% बताते हुए झूठे आरोप लगाए थे। यही नहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी आरोप लगाया है कि भारत पूरे क्षेत्र में ऐसे गुटों को बढ़ावा दे रहा है, जो उसकी जमीन पर आतंकी हमलों को अंजाम देते हैं।

कराची हमला में कई जवानों की मौत

पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के गुलिस्तान-ए-जौहर कैंप पर शनिवार देर रात हुए आतंकी हमले में चार सुरक्षाकर्मी और छह हथियारबंद हमलावर मारे गए और एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने रविवार को जारी बयान में दावा किया कि हमला जमात-उल-अहरार से जुड़े आतंकियों ने किया था।

पूर्वोत्तर में बारिश बनी आफत-असम में पुल बहा, अरुणाचल में भूस्खलन से हालात बिगड़े

पूर्वोत्तर भारत में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। असम में बाढ़ के तेज बहाव में 300 मीटर लंबा लोहे का पुल बह गया, जिससे कई इलाकों का संपर्क टूट गया। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण भूस्खलन और सड़क धंसने की घटनाओं से राष्ट्रीय राजमार्ग-13 के कई हिस्सों में यातायात बाधित हो गया है।

300 मीटर लंबा लोहे का पुल बहा

असम के धेमाजी जिले में रविवार को केमी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से केमी और ओयान को जोड़ने वाला करीब 300 मीटर लंबा लोहे का पुल बह गया। पुल के बहने से केमी-पुराना जेलोम क्षेत्र का जोनाई सदर से सड़क संपर्क पूरी तरह कट गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश से भारी मात्रा में पानी आने के बाद नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा और कुछ ही देर में पुल तेज बहाव में समा गया। बताया जा रहा है कि इस पुल का निर्माण करीब एक वर्ष पहले ही किया गया था। पुल टूटने से क्षेत्र के विद्यार्थियों और किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी पार स्थित विद्यालय तक पहुंचने का यही प्रमुख रास्ता था। परीक्षाएं नजदीक होने के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है। वहीं, खेती के मौसम में किसानों के लिए खेतों तक पहुंचना भी चुनौती बन गया है। स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया कि पुल निर्माण के समय उन्होंने लोहे के बजाय स्थायी कंक्रीट पुल बनाने की मांग की थी। कई हिस्सों में भूस्खलन उधर, अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के चलते पसीघाट-पांगिन मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग-13 के कई हिस्सों में भूस्खलन, चट्टानें गिरने और सड़क धंसने की घटनाएं सामने आई हैं। रेंगिंग और येंबुंग के बीच कई स्थानों पर यातायात प्रभावित हुआ है।

कई लोगों की मौत

अरुणाचल प्रदेश में बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के बाद तलाशी एवं बचाव अभियान में पापुम पारे जिले में एक और शव मिलने के साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य के कई अन्य हिस्सों में भी लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की खबरें हैं, जिससे घर जलमग्न हो गए हैं और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय प्रशासन ने बचाव और निकासी अभियान शुरू किया है। प्रशासन ने सड़कों से मलबा हटाने और यातायात बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया है, लेकिन लगातार बारिश के कारण राहत कार्यों में बाधा आ रही है।राज्य सरकार ने लोगों से अत्यंत आवश्यक होने पर ही यात्रा करने और भूस्खलन संभावित इलाकों में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि हालात सामान्य होने तक संवेदनशील मार्गों पर सतर्कता बरती जाए और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन किया जाए। मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके मद्देनजर प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करने की सलाह दी है।

पत्नी का बेरहमी से रेत दिया गला, वारदात के पीछे सामने आ रही ये वजह

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। स्याना कोतवाली क्षेत्र के गांव हाजीपुर में एक सनकी पति ने अपनी 25 वर्षीय पत्नी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर पर ताला लगाकर फरार हो गया।

मृतका की पहचान घनसुरपुर गांव निवासी गीता रानी के रूप में हुई है, जिसकी शादी हाजीपुर निवासी मोनू से हुई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते आरोपी ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले में आगे की जांच जारी है।

आस्था का अभेद्य कवच अमरनाथ यात्रा-2026

हिमालय की बर्फाच्छादित पर्वत श्रृंखलाओं के बीच समुद्र तल से लगभग 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा करोड़ों शिवभक्तों की अटूट आस्था का केंद्र है। प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए आयोजित होने वाली विश्वविख्यात अमरनाथ यात्रा इस वर्ष 3 जुलाई से 28 अगस्त 2026 (रक्षाबंधन) तक चलेगी।

57 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा की आध्यात्मिक शुरुआत 29 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर होने वाली पारंपरिक %प्रथम पूजा% से होगी। इसी के साथ बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा श्रद्धालुओं के लिए प्रतीकात्मक रूप से खुल जाएगी और प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह सक्रिय हो जाएगी।

अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आस्था, साहस, अनुशासन और प्रकृति के साथ मनुष्य के अद्भुत सामंजस्य का प्रतीक है। कठिन हिमालयी भूभाग, अत्यधिक ऊंचाई, अनिश्चित मौसम और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के बावजूद हर वर्ष लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।यही कारण है कि इस वर्ष केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (ट्रस्ट) ने सुरक्षा, स्वास्थ्य, संचार और यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में अब तक की सबसे व्यापक तैयारियां की हैं।

आतंकवाद की चुनौती के बीच अभेद्य सुरक्षा कवच

अमरनाथ यात्रा वर्षों से आतंकवादियों के निशाने पर रही है। वर्ष 2000 के पहलगाम हमले से लेकर 2017 में श्रद्धालुओं की बस पर हुए हमले तक कई घटनाएं देश को झकझोर चुकी हैं। हाल के महीनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए इस वर्ष सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया गया है।

यात्रा की सुरक्षा के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 670 से अधिक कंपनियां, जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना, सीमा सुरक्षा बल और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से तैनात रहेंगी। संवेदनशील क्षेत्रों में स्नाइपर, बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वायड तथा क्विक रिएक्शन टीमें चौबीसों घंटे सतर्क रहेंगी।

हर सुबह श्रद्धालुओं के काफिले के रवाना होने से पहले रोड ओपनिंग पार्टियां पूरे मार्ग की गहन जांच करेंगी। बिना अनुमति किसी वाहन की पार्किंग या आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

2026 की सबसे बड़ी विशेषता–%प्रोजेक्ट हॉक आई%

इस वर्ष की यात्रा की सबसे बड़ी खासियत %प्रोजेक्ट हॉक आई% है। अनंतनाग पुलिस द्वारा विकसित इस अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली के तहत पहली बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) आधारित सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है।

यात्रा मार्ग पर 416 से अधिक हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे, 34 फेसियल रिकॉग्निशन कैमरे, ड्रोन निगरानी और आधुनिक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगे। इससे संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल पहचान कर सुरक्षा एजेंसियां तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी।

प्रत्येक श्रद्धालु के लिए आरएफआईडी टैग पहनना अनिवार्य किया गया है। इससे श्रद्धालुओं की रियल-टाइम लोकेशन पर नजर रखी जा सकेगी और किसी दुर्घटना, स्वास्थ्य आपातकाल या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव दल शीघ्र सहायता पहुंचा सकेंगे। यह व्यवस्था यात्रा प्रबंधन को अधिक सुरक्षित और वैज्ञानिक बनाएगी।

दोनों यात्रा मार्गों पर बेहतर सुविधाएं

अमरनाथ गुफा तक पहुंचने के दो पारंपरिक मार्ग हैं। पहला लगभग 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम-चंदनवाड़ी-शेषनाग-पंचतरणी मार्ग, जबकि दूसरा 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग, जो छोटा लेकिन अधिक कठिन माना जाता है।

इस बार दोनों मार्गों पर व्यापक सुधार किए गए हैं। विशेष रूप से बालटाल मार्ग पर भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा दीवारें, मजबूत रेलिंग और चौड़े पैदल मार्ग बनाए गए हैं। दोनों बेस कैंपों–नुनवान और बालटाल–में टेंट सिटी, स्वच्छ शौचालय, पेयजल, चौबीसों घंटे बिजली, मोबाइल नेटवर्क, चिकित्सा केंद्र और विशाल लंगरों की व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास में लगभग 2,500 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था की गई है। वहीं तवी रिवर फ्रंट पर स्थापित आधुनिक इंटीग्रेटेड फैसिलिटेशन सेंटर में ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण, स्वास्थ्य प्रमाणपत्र सत्यापन और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूरी की जा सकेंगी।

स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक विस्तार

अमरनाथ यात्रा अत्यधिक ऊंचाई, ऑक्सीजन की कमी और तेजी से बदलते मौसम के कारण स्वास्थ्य की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। इसलिए इस बार चिकित्सा सुविधाओं का दायरा पहले से अधिक बढ़ाया गया है।

यात्रा मार्ग पर अनेक चिकित्सा शिविर, ऑक्सीजन सहायता केंद्र, विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीमें, एम्बुलेंस, मोबाइल मेडिकल यूनिट तथा हेलीकॉप्टर आधारित आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

बिना अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र (Compulsory Health Certificate) के किसी भी श्रद्धालु को यात्रा की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने विशेष रूप से बुजुर्गों, हृदय रोगियों और श्वसन संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को चिकित्सकीय सलाह लेकर ही यात्रा करने की अपील की है।

पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान

अमरनाथ यात्रा हिमालय के अत्यंत संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्र में आयोजित होती है। इसलिए इस बार पर्यावरण संरक्षण को यात्रा प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। पूरे यात्रा क्षेत्र में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

लंगर समितियों को पर्यावरण-अनुकूल सामग्री के उपयोग तथा कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं से भी अपील की गई है कि वे यात्रा मार्ग पर किसी प्रकार का कूड़ा न फैलाएं और हिमालय की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सावधानियां

यात्रा के दौरान मौसम कभी भी बदल सकता है। तेज वर्षा, बर्फबारी और ठंडी हवाएं सामान्य बात हैं। इसलिए श्रद्धालुओं को गर्म कपड़े, रेनकोट, ट्रैकिंग के उपयुक्त जूते, आवश्यक दवाइयां और पर्याप्त पानी साथ रखने की सलाह दी गई है।

ऊंचाई पर सांस लेने में कठिनाई, चक्कर या सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत निकटतम चिकित्सा केंद्र से संपर्क करना चाहिए। प्रशासन ने श्रद्धालुओं को शॉर्टकट रास्तों से बचने तथा केवल अधिकृत मार्गों का ही उपयोग करने की सलाह दी है।

आस्था और आधुनिक प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण

पिछले कुछ वर्षों में अमरनाथ यात्रा के प्रबंधन में उल्लेखनीय बदलाव आया है। डिजिटल पंजीकरण, ऑनलाइन सूचना प्रणाली, रियल-टाइम ट्रैकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, आधुनिक चिकित्सा सेवाएं और पर्यावरण संरक्षण जैसे कदम इस यात्रा को विश्व के सबसे बेहतर प्रबंधित धार्मिक आयोजनों में शामिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

हिमालय की गोद में स्थित बाबा बर्फानी की यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की संगठन क्षमता, सुरक्षा प्रबंधन और तकनीकी दक्षता का भी परिचायक है। यदि श्रद्धालु प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं, तो अमरनाथ यात्रा-2026 श्रद्धा, सुरक्षा और सुव्यवस्थित प्रबंधन का एक नया अध्याय लिख सकती है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा केवल बाबा बर्फानी के दर्शन का अवसर नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, राष्ट्रीय एकता और हिमालय की दिव्य संस्कृति से साक्षात्कार का भी अनुपम पर्व है।

मूड ठीक न होने की वजह यह तो नहीं सूजन कम करने वाली दवाओं से डिप्रेशन के मरीजों को होगा फायदा?

मानसिक बीमारियों के इलाज में ऐसी दवाओं के इस्तेमाल का लंबा इतिहास रहा है, जिन्हें असल में किसी और मकसद से बनाया गया था। उदाहरण के लिए, डिप्रेशन (अवसाद) की पहली एंटी-डिप्रेसेंट दवा टीबी के लिए बनी थी। केटामाइन की शुरुआत एनेस्थेटिक के तौर पर हुई थी, और अब वैज्ञानिक जांच रहे हैं कि क्या एंटी-इन्फ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाली) दवाएं भी डिप्रेशन के मरीजों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं।

एक शोध के अनुसार, डिप्रेशन से जूझ रहे करीब 25 प्रतिशत लोगों के रक्त में सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन का स्तर सामान्य से अधिक पाया जाता है। ये प्रोटीन सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे महत्वपूर्ण न्यूरोट्रांसमीटर के स्तर को कम कर सकते हैं, जो मूड, खुशी व भावनात्मक संतुलन को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं, ये मस्तिष्क के उन हिस्सों की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित कर सकते हैं, जो प्रेरणा, उत्साह और उपलब्धि की भावना को नियंत्रित करते हैं। यही कारण है कि बढ़ती सूजन व्यक्ति की मानसिक स्थिति पर असर डालते हुए उसे डिप्रेशन का शिकार बना सकती है।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि डिप्रेशन के जिन मरीजों के शरीर में सूजन (इन्फ्लेमेशन) का स्तर अधिक होता है, उनमें कुछ विशेष शारीरिक और मानसिक लक्षण दिखाई देते हैं। इनमें लगातार थकान,

भूख कम लगना, नींद की समस्याएं और आनंद देने वाली गतिविधियों में रुचि घट जाना शामिल है। इंग्लैंड के मनोचिकित्सक डॉ. गोलम खांडेकर के अनुसार, ऐसे मरीजों की कुछ विशिष्ट विशेषताएं उन्हें अन्य प्रकार के डिप्रेशन से अलग बनाती हैं। यही वजह है कि उन्होंने इस स्थिति को 'इन्फ्लेम्ड डिप्रेशन' नाम देना शुरू किया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के डॉ. माइकल इरविन के अनुसार, कुछ मामलों में सूजन वास्तव में डिप्रेशन की एक महत्वपूर्ण वजह हो सकती है। विशेषज्ञ डिप्रेशन के इलाज में सीधे एंटी-इन्फ्लेमेटरी दवाओं के इस्तेमाल को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। डॉ. गोलम खांडेकर सहित कुछ मनोचिकित्सक मरीजों को व्यायाम, संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दे रहे हैं, ताकि शरीर में सूजन के स्तर को कम किया जा सके। डॉ. इरविन के अनुसार, मौजूदा शोध यह तो दिखाते हैं कि सूजन और डिप्रेशन के बीच संबंध हो सकता है, पर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस जानकारी को प्रभावी उपचार में कैसे बदला जाए।

रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलियुग आएगा त्रेता की सिया और कलियुग की सिया पर एक चिंतन

त्रेता की सिया त्याग, तपस्या, मर्यादा और पवित्रता की प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने निर्दोष होते हुए भी समाज और लोकमत के कारण वनवास का दुःख सहा। आज के दृष्टिकोण से उस निर्णय पर मतभेद हो सकते हैं, किन्तु उस युग में राजधर्म और प्रजा की भावना को सर्वोच्च माना गया। वहीं आज कलियुग की एक सिया पर गंभीर आरोप हैं कि उसने किसी परिवार का चिराग बुझा दिया और पूरे घर को गहरे दुःख में डाल दिया। वह दोषी है या निर्दोष, इसका अंतिम निर्णय न्यायालय करेगा और हम सभी को उस निर्णय का सम्मान करना चाहिए। फिर भी यह घटना समाज के सामने कई प्रश्न खड़े करती है। क्या आज सत्य की स्थापना सर्वोपरि है, या केवल मुकदमा जीतना ही सफलता का मापदंड बन गया है? क्या कानून का उद्देश्य केवल कानूनी दांव-पेंच के आधार पर विजय प्राप्त करना है, अथवा न्याय और सत्य की रक्षा करना भी

उसका मूल धर्म है?निस्संदेह, वकीलों का कर्तव्य अपने मुवक्किल का पक्ष रखना है, जो न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। किन्तु समाज को यह चिंतन अवश्य करना चाहिए कि न्याय का अंतिम उद्देश्य सत्य की विजय और जनविश्वास की रक्षा होना चाहिए।आज सोशल मीडिया, गूगल लोकेशन, सीसीटीवी कैमरे और डिजिटल साक्ष्य सत्य तक पहुंचने के महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं। समय की मांग है कि इन आधुनिक तकनीकों का समुचित उपयोग न्याय प्रक्रिया में हो, ताकि निर्दोष को न्याय मिले और दोषी को दंड। यदि अपराधों के निष्पक्ष निपटारे में जनता का विश्वास कमजोर पड़ने लगे, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। कानून इसलिए बनाए गए थे कि उनके सम्मान और भय से लोग गलत कार्य करने से बचें, न कि कानून की जटिलताओं का लाभ उठाकर सत्य को धूमिल किया जाए। त्रेता की सिया ने निर्दोष होकर भी कष्ट सहे, और कलियुग की सिया पर आरोपों के बीच पूरा समाज सत्य और न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। यह किसी व्यक्ति विशेष पर निर्णय देने का समय नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का समय है।

चिंतन

त्रेता की सिया ने अपने चरित्र से मर्यादा को अमर किया। कलियुग की सिया को भी यह स्मरण रखना होगा कि नाम नहीं, कर्म इतिहास लिखते हैं। न्याय केवल कानून की किताबों में नहीं, बल्कि समाज के विश्वास और सत्य की स्थापना में भी दिखाई देना चाहिए।

संदेश

÷रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलियुग आएगा,जहाँ मर्यादा और सत्य की रक्षा के लिए समाज को स्वयं भी जागरूक होना पड़ेगा। नाम नहीं, कर्म ही व्यक्ति की वास्तविक पहचान बनते हैं।

असल चुनौती राम भक्तों के 'ट्रस्ट' को फिर से बहाल करने की है

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड में अंततः मंदिर की व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, एक और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा को राम भक्तों के दबाव में पद से इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि इस इस्तीफे के पीछे किसी पश्चाताप अथवा नैतिक अपराध का भाव नहीं दिखाई देता।

इस बीच यूपी सरकार ने एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर राम मंदिर चढ़ावा राशि गणना से जुड़े 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है, जिन्हें कोर्ट ने जेल भेज दिया है। लेकिन इस समूचे कांड के 'सरगनाओं' के खिलाफ किसी कार्रवाई की कोई संभावना अभी नहीं दिख रही है। हालांकि कहा यही जा रहा है कि 'किसी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा।' हैरानी की बात यह भी है कि इतना कांड होने और दो ट्रस्टियों के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी का पहली बार लिखित बयान आया है कि इस्तीफे मिल गए हैं और ट्रस्ट का सोने चांदी का हिसाब काफी कुछ ठीक है, जिन्होंने गड़बड़ी की है, उन्हे दंड दिया जाएगा। गोविंद गिरी अब तक चुप क्यों थे, यह भी जांच का विषय है। दरअसल इस पूरे प्रकरण में सरकार, रामजन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट, विश्व हिंदू परिषद और राम मंदिर प्रबंधन की अग्नि परीक्षा राम मंदिर में करोड़ों राम भक्तों का 'ट्रस्ट' कायम रखने की है। अगर दिखावे के लिए शक के घेरे में रहे चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव को उनके 'तपस्वी जीवन' का हवाला देकर छोड़ दिया गया तो सरकार और मंदिर प्रबंधन की मंशा पर ही सवाल खड़े होंगे।

विपक्ष तो इसे राजनीतिक रूप से भुनाएगा ही, मंदिर पर से राम भक्तों का भरोसा अगर उठ गया तो वो फिर वापस लाना लगभग असंभव होगा। क्योंकि आरोपों के जो जवाब दिए जा रहे हैं, वह राजनीतिक ज्यादा हैं, बजाए राजधर्म का पालन सुनिश्चित करने के।

चढ़ावा चोरी कांड की टाइम लाइन

इस पूरे चढ़ावा चोरी कांड की टाइम लाइन को देखें तो शुरू से लेकर अब नरेटिव लगातार बदलते दिख रहे हैं। पहले तो यह साबित करने की कोशिश हुई कि कहीं कुछ हुआ ही है। जिनका राम में ही भरोसा नहीं है, वो चढ़ावा चोरी की बात फैला रहे हैं। जब गड़बड़ी के सबूत मिलने लगे तो कहा गया कि कुछ छोटे कर्मचारियों की 'गलती' को बड़े और नियोक्ता पदाधिकारियों की निष्ठा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। या यूं कहें कि ऐसी गड़बड़ियों को लेकर शक करना भी अपने हिंदू होने पर ही संदेह करने जैसा है।

जब एसआईटी ने चढ़ावा चोरी और चोरों की बदलती माली हैसियत के प्रमाण दिए तो कहा गया कि 'कुछ' लोग गड़बड़ हो सकते हैं। इसके लिए ट्रस्टियों को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। फिर कहा गया कि जैसे ही गड़बड़ी का पता चला (जोकि सवा साल से बेखौफ चल रही थी, और जिसके तीन माह के फुटेज भी मिल गए) ट्रस्टियों ने खुद एसआईटी बनाने के लिए कहा।

चढ़ावा चोरी की अवधि और एसआईटी गठन की मांग के दर्मियान यह खेल सवा साल तक क्यों, किसने और कैसे चलने दिया, यह असली जांच और दंड का मुद्दा है। जब यह भी साफ होने लगा कि 14 सदस्यीय ट्रस्ट को वास्तव में दो-तीन लोग ही चला रहे थे, बाकी ट्रस्टी को केवल मूक दर्शक थे, तो कहा जा रहा है कि ट्रस्ट को भंग करने की कोई आवश्यकता नहीं है। दो के इस्तीफे हुए हैं, उनकी जगह नए चेहरे बिठा दिए जाएं।

दूसरी तरफ जन दबाव लगातार बन रहा है कि कार्रवाई की पूर्णाहुति तभी समझी जाएगी, जब इस भारी घोटाले के लिए नैतिक और प्रशासनिक रूप से जिम्मेदार लोगों को सजा नहीं होती। क्योंकि इन लोगों उन राम भक्तों का विश्वास तोड़ा है, जो न किसी राजनीतिक, सांस्कृतिक अथवा सामाजिक संगठन में हैं।

तर्क यह भी दिया जा रहा है कि चंपत राय जैसे लोग तपस्वी हैं। उनकी एक (महा) 'त्रुटि' उनके जीवन को कलंकित नहीं कर सकती। लेकिन ऐसी 'लापरवाह तपस्विता' किस काम की, जब मामला करोड़ों राम भक्तों की निश्छल आस्था से जुड़ा हो। जो खेल उनकी नाक के नीचे सवा साल से चल रहा था, उसकी जानकारी ट्रस्ट के महासचिव को न हो, इस पर तो कोई परम मूर्ख ही भरोसा कर सकता है। अगर उन्हें जानकारी थी तो तत्काल कार्रवाई में कौन सी बाधा थी?

उठते कई सारे सवाल

क्यों पुलिस में उसकी रिपोर्ट नहीं हुई, क्यों चोरों को तत्काल मंदिर से बाहर का रास्ता क्यों नहीं दिखाया गया, क्यों खजाने की चाबियां एक ट्रस्टी के ड्राइवर के भरोसे थीं, इस सवालों के जवाब तो हर राम भक्त हिंदू पूछ रहा है। सवाल यह भी है कि जिम्मेदार पद पर तैनात कोई अपने अधीनस्थों पर अंधविश्वास कैसे कर सकता है? या तो उसने तपस्वी की माफिक आंखें मूंद ली हों या फिर खुद राम भक्ति में इतना लीन हो गया हो कि भीतर क्या चल रहा है, इससे कोई सरोकार न हो।

हो सकता है कि आरोपी ट्रस्टियों ने चढ़ावे की पाई भी न ली हो, लेकिन चोरों को चोरी करने देते रहने की नैतिक जिम्मेदारी से कैसे बचेंगे? यह तो आपराधिक लापरवाही है और दंडनीय है। ज्यों-ज्यों जांच और कार्रवाई आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे यह नरेटिव कमजोर पड़ता जा रहा है कि हिंदू मंदिरों के प्रबंधन में सरकार का कोई दखल नहीं होना चाहिए। एक सुझाव यह भी है कि राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर जम्मू- कश्मीर के 'श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड' की तर्ज पर नया राम मंदिर ट्रस्ट बनाया जाए, जिसमें राज्यपाल ही पदेन अध्यक्ष होते हैं। इसके अलावा कुछ धर्माचार्य, हिंदू समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति, प्रशासनिक और वित्तीय मामलों के जानकारी रिटायर्ड अधिकारी होते हैं।

ट्रस्ट के संचालन और मंदिर प्रबंधन का संपूर्ण दायित्व सीईओं का होता है। कुछ सुझाव उन मंदिरों के ट्रस्ट अथवा प्रबंधन के भी हैं, जहां मंदिर प्रबंधन बेहतर ढंग से और भक्तों की आस्था के अनुरूप किया जा रहा है। अब देखना यह है कि केन्द्र और राज्य सरकार राम मंदिर ट्रस्ट के बारे में क्या फैसला लेती है। मंदिर प्रबंधन के लिए सीईओं की नियुक्ति की बात तो लगभग सभी मान रहे हैं। लेकिन 'चढ़ावा चोरी' के लिए जिम्मेदार एक और घटक यानी बैंक की भूमिका पर ज्यादा बात नहीं हो रही है।

चढ़ावा राशि की गणना और हिसाब में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की भी अहम भूमिका है। लेकिन उसने अभी तक अपने कर्मचारियों पर कोई कार्रवाई की हो, यह सुनने में नहीं आया। लेकिन इस प्रकरण में तो बैंक कर्मी ही शामिल दिखाई देते हैं।

इस घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण कोण राजनीतिक है। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड ने विपक्ष को बैठे-बिठाए मोदी योगी सरकार, भाजपा, संघ और विहिप को घेरने का एक ऐसा मुद्दा दे दिया है, जिसकी गूंज राम भक्तों के हृदय तक हो रही है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

अगर चढ़ावा चोरी कांड में निष्पक्ष जांच और सभी दोषियों के खिलाफ कठोर तो सभी संदेही आस्था के कठघरे में खड़े दिखाई देंगे। राम भक्तों के बीच यही संदेश जाएगा कि जब प्रभु श्रीराम के मंदिर में ही राम राज स्थापित नहीं हो पाया तो देश प्रदेश में कहां से आएगा? भाजपा और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों का यह जवाबी तर्क बोदा साबित होगा कि राम मंदिर को वो लोग बदनाम कर रहे हैं, जो श्रीराम मंदिर के खिलाफ रहे हैं या जो कभी रामलला के दर्शन करने गए ही नहीं। शुचिता पर उठी उंगली को यह कहकर नहीं मरोड़ा जा सकता कि उंगली ही गलत आदमी की है। इस पूरे मामले में एक सकारात्मक संकेत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका को लेकर है। देर से ही सही, लेकिन जिस दिशा में कार्रवाई आगे बढ़ रही है, उससे लगता है कि वो इसे परिणति तक पहुंचाएंगे। अगर योगी यह कर सके या उन्हें करने दिया गया तो भाजपा के अंदर भी उन्हें पद से हटाने को लेकर चल रही कुश्ती के भी वो केसरी साबित होंगे। वैसे भी भाजपा ने आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव के पहले योगी को यूपी से हटाने की हिमाकत की तो इसकी उसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। चढ़ावा चोरी कांड के दोषियों को कठोर दंड देना और राम मंदिर की व्यवस्थाओं में राम भक्तों का ट्रस्ट (विश्वास) फिर से कायम करना, योगी के लिए भी बड़ी चुनौती है। अपने पद को दांव पर लगाकर भी योगी अगर यह कर पाए तो उनकी प्रतिष्ठा राम भक्तों की नजर में कई गुना बढ़ जाएगी। देखना यह है कि अव्यवस्था के 'चंपत राय' पर सुव्यवस्था के 'संपत राय' कितने भारी पड़ते हैं?

राम मंदिर चंदा विवाद

- सुप्रीम कोर्ट में चंदा विवाद में एफआईआर दर्ज करने की मांग।
- याचिका में सीबीआई से समयबद्ध जांच की भी मांग।
- सुप्रीम कोर्ट 29 जून को कर सकता है याचिका पर सुनवाई।

कश्मीरी गेट बस अड्डे पर यात्रियों को बेहोश कर लूटने वाला शातिर गिरफ्तार

दोस्ती का झांसा, नशीला पेय और फिर लूट, दिल्ली पुलिस ने आरोपी को दबोचा

राजधानी के कश्मीरी गेट अंतरराज्यीय बस अड्डा क्षेत्र में यात्रियों को नशीला पेय पिलाकर लूट की घटनाओं को अंजाम देने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी बस अड्डे और उसके आसपास अकेले सफर करने वाले यात्रियों को अपना निशाना बनाता था। वह पहले उनसे बातचीत कर विश्वास जीतता और दोस्ती का माहौल बनाता था। इसके बाद वह उन्हें नशीला शीतल पेय या अन्य पेय पदार्थ पिलाकर बेहोश कर देता था। जब पीड़ित अचेत हो जाता, तब आरोपी उसका मोबाइल फोन, नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर मौके से फरार हो जाता था।

पुलिस को लगातार मिल रही सूचनाओं और शिकायतों के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी गई। गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और आरोपी को गिरफ्तार कर

लिया। पूछताछ के दौरान उससे कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की बात भी सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उसने इस प्रकार की कितनी घटनाओं को अंजाम दिया और कहीं उसके साथ अन्य लोग भी तो शामिल नहीं थे।

आरोपी की गिरफ्तारी के बाद बस अड्डे से यात्रा करने वाले लोगों ने राहत की भावना व्यक्त की है। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अनजान व्यक्तियों से खाने-पीने की कोई भी वस्तु स्वीकार न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

तेज रफ्तार का कहर: बिजली के पोल से टकराई बाइक, दो युवकों की मौत

घर लौटे दो दोस्तों का सफर बना आखिरी, सड़क हादसे में गई जान

तेज रफ्तार के कारण हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई और क्षेत्र में भी मातम का माहौल है। बताया गया कि दोनों युवक करीब दस दिन पहले ही मुंबई से अपने घर लौटे थे। उनके अचानक निधन से परिवार और परिचित गहरे सदमे में हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शवों को परीक्षण के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है तथा लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और तेज रफ्तार से वाहन न चलाने की अपील की है।

ज्ञानीपुर मेले में पुलिस की सतर्कता से परिजनों तक सकुशल पहुंची मासूम बच्ची

तत्पर पुलिस कार्रवाई बनी मिसाल, मेले में बिछड़ी बच्ची को परिवार से मिलाया

ज्ञानीपुर मेले में गुम हुई एक मासूम बच्ची को स्थानीय पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए सकुशल उसके परिजनों से मिलाकर मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल पेश की। मेले में भीड़भाड़ के दौरान बच्ची अपने परिवार से बिछड़ गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल खोज अभियान शुरू किया। मेले में मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई गई, सार्वजनिक घोषणा कराई गई और विभिन्न स्थानों पर बच्ची की पहचान कराई गई। लगातार प्रयास के बाद पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और आवश्यक पुष्टि के उपरांत उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्ची को सकुशल पाकर परिवार के सदस्यों ने राहत की सांस ली और पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभार व्यक्त किया। इस घटना ने एक बार फिर साबित किया कि सतर्कता, संवेदनशीलता और समय पर की गई कार्रवाई से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान संभव है। मेले में मौजूद लोगों ने भी पुलिस के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

सुबह की बारिश बनी राहत की सौगात, किसानों में लौटी खरीफ मौसम की उम्मीद

गौरा-बल्दीराय क्षेत्र में शनिवार सुबह लगभग साढ़े पांच बजे हुई बारिश ने कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत दिलाई। तेज धूप और गर्म हवाओं से परेशान ग्रामीणों ने बारिश का स्वागत किया। मौसम में आए इस बदलाव से वातावरण सुहावना हो गया और खेतों की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई।

धान की नर्सरी तैयार कर चुके किसानों के लिए यह वर्षा अत्यंत लाभकारी मानी जा रही है। खेतों में पर्याप्त नमी बनने से धान की रोपाई का कार्य अब तेज गति से शुरू होने की संभावना है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर हुई बारिश से खरीफ फसलों की बुवाई को गति मिलेगी और यदि आगे भी अनुकूल मौसम बना रहा तो उत्पादन बेहतर होने की उम्मीद रहेगी। इससे खेती पर निर्भर परिवारों को भी लाभ मिलने की संभावना है।

दूसरी ओर मत्स्य पालन से जुड़े किसानों को मौसम में अचानक हुए बदलाव के बीच अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। लगातार वर्षा होने पर तालाबों में घुलित ऑक्सीजन का स्तर घट सकता है, जिससे मछलियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है। ऐसे में तालाबों की नियमित निगरानी, पानी की गुणवत्ता की जांच तथा आवश्यक प्रबंधन उपाय समय पर अपनाना जरूरी है। बारिश से एक ओर आमजन को गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर किसानों में बेहतर कृषि सत्र की नई उम्मीद भी जागी है। यदि आगामी दिनों में मौसम अनुकूल बना रहा तो क्षेत्र की खेती और मत्स्य पालन दोनों को इसका सकारात्मक लाभ मिल सकता है।

केएनआई बीएससी द्वितीय, चतुर्थ व छठे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित, वेबसाइट पर उपलब्ध हुई अंकतालिका

केएनआईपीएसएस स्वायत्तशासी व्यवस्था मे संचालित बी0एससी0 द्वितीय, चतुर्थ व छठवें सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है। इस मौके पर संस्थान परीक्षा नियंत्रक प्रो प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि यह परीक्षाफल सत्र 2025 -26 की परीक्षा मे सम्मिलित परीक्षार्थियों का घोषित हुआ है। सम्बन्धित छात्र व छात्राएं संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट https://Knipssexams.in पर अपना जन्म तिथि व अनुक्रमांक अंकित कर अंकतालिका डाउनलोड कर सकते हैं। संस्थान प्राचार्य प्रोफेसर सुनील प्रताप सिंह ने इन कक्षाओं के उत्तीर्ण छात्र व छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बिजेथुआ महावीरन विकास समिति का चुनाव 28 जून को, उप निबंधक का आदेश जारी

महावीरन धाम समिति चुनाव पर बढ़ी सरगर्मी, समय पर मतदान कराने की उठी मांग

बिजेथुआ महावीरन मंदिर विकास समिति के चुनाव को लेकर प्रशासनिक प्रक्रिया तेज हो गई है। उप निबंधक, अयोध्या ने 28 जून को चुनाव कराने का आदेश जारी किया है। चुनाव तहसीलदार कादीपुर की देखरेख में संपन्न होंगे। चुनाव की तिथि नजदीक आने के साथ समिति से जुड़े लोगों के बीच गतिविधियां बढ़ गई हैं। समिति के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम पांडेय पुत्र संबलजीत पांडेय ने जिलाधिकारी को पत्र देकर महावीरन धाम के विकास के लिए समय पर चुनाव कराना जनहित में बताया है। मंदिर प्रबंधन को लेकर विभिन्न पक्षों में चर्चा जारी है। प्रदेश भर में प्रसिद्ध इस प्राचीन हनुमान मंदिर पर प्रत्येक मंगलवार और शनिवार हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

देवघर में स्वदेशी अभियान को नई गति देने की रणनीति, संगठन विस्तार पर मंथन

बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा के बाद स्वदेशी जागरण मंच की विशेष बैठक, नए दायित्वों पर चर्चा

स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय मेला संयोजक सचिंद्र वरियार और प्रांत संयोजक राजेश उपाध्याय के देवघर आगमन पर संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। दोनों नेताओं ने सबसे पहले बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश और समाज की समृद्धि की कामना की। इसके बाद जिला संयोजक संजय सिंह के आवास पर मंच की विशेष बैठक हुई, जिसमें स्वदेशी स्वावलंबन अभियान को और प्रभावी बनाने, संगठन के विस्तार तथा विभिन्न स्तरों पर नए दायित्व सौंपने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं से समाज के विभिन्न वर्गों तक स्वदेशी विचारों को पहुंचाने और जनसहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की भावी कार्ययोजना पर अपने सुझाव भी रखे। बैठक के उपरांत सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं के लिए सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में सचिंद्र वरियार, राजेश उपाध्याय, मनोज सिंह, संजय सिंह, प्रभाष गुप्ता, गौरी शंकर शर्मा, मधुसूदन मंडल, ममता गुप्ता, अमर सिंहा, आशा झा, गिरीश सिंह, माया केसरी, महेश दुबे, मिथिलेश बाजपेई, संजीव सिंह, आर.के. सिंह (जवाहर सिंह), बबलू मित्रा, सौरभ वरियार, दीप्ति वरियार और रवि श्रीवास्तव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्जला एकादशी पर आत्मनिर्भर संस्था ने बांटी सेवा और सद्भाव की मिठास

सेवा, सहयोग और मानवता ही समाज को मजबूत बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं: नोनिता खुराना

सिकंदरा ईपीआईपी औद्योगिक क्षेत्र स्थित अध्यक्ष राजेश खुराना के प्रतिष्ठान पर आत्मनिर्भर, एक प्रयास संस्था द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर मीठे शरबत का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में सैकड़ों श्रमिकों, कर्मचारियों, प्रबंधकों और उद्यमियों ने शरबत ग्रहण कर गर्मी से राहत पाई।संस्था की संस्थापिका नोनिता खुराना ने कहा कि सेवा, सहयोग और मानवता ही समाज को मजबूत बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम में अन्नू गुरुंग, अनिल, संदीप, विनोद, गजेंद्र सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पुनीत पहल की सराहना करते हुए समाज में सेवा और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

प्रसूता की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा, लापरवाही के आरोपों की जांच शुरू

ऑपरेशन के बाद बिगड़ी महिला की हालत, परिजनों की शिकायत पर पुलिस जांच में जुटी

बीसलपुर रोड स्थित महेशनाथ हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पीड़ित परिवार ने थाना बारादरी में शिकायत देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पीलीभीत जनपद के बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम टेढ़ा श्रीराम निवासी सतीश वर्मा ने शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी रुबी देवी को 24 जून को प्रसव पीड़ा होने पर महेशनाथ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद चिकित्सकों ने शल्यक्रिया की आवश्यकता बताई। परिजनों का कहना है कि दोपहर करीब ढाई बजे उन्हें बताया गया कि शल्यक्रिया सफल रही है और जच्चा तथा नवजात दोनों स्वस्थ हैं। शिकायत के अनुसार, शल्यक्रिया के बाद रुबी देवी को गहन चिकित्सा कक्ष में रखा गया और लंबे समय तक परिजनों को मिलने की अनुमति नहीं दी गई। बाद में जब मिलने दिया गया तो महिला को अत्यधिक रक्तस्राव होता दिखाई दिया। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने तत्काल अस्पताल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी, लेकिन समय पर प्रभावी उपचार नहीं किया गया। परिजनों का यह भी आरोप है कि रात करीब 12 बजे महिला की स्थिति और गंभीर हो गई। कई बार चिकित्सक को बुलाने का अनुरोध करने के बावजूद आवश्यक चिकित्सा सहायता समय पर उपलब्ध नहीं कराई गई। शिकायत के मुताबिक, पर्याप्त उपचार न मिलने से 25 जून की सुबह करीब चार बजे रुबी देवी की मृत्यु हो गई।परिवार ने अस्पताल प्रबंधन और संबंधित चिकित्सकों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। उधर, समाचार लिखे जाने तक महेशनाथ हॉस्पिटल प्रबंधन का पक्ष सामने नहीं आया था। पुलिस का कहना है कि प्राप्त शिकायत के सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है तथा जांच के निष्कर्ष के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक जुलाई से पासपोर्ट बनवाना महंगा, केंद्र ने जारी की नई शुल्क सूची

पासपोर्ट नियमों में संशोधन, नए और नवीनीकरण आवेदन पर बढ़ी फीस

केंद्र सरकार ने एक जुलाई 2026 से पासपोर्ट और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेजों की शुल्क दरों में संशोधन लागू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए पासपोर्ट नियम, 1980 में संशोधन करते हुए नई शुल्क सूची अधिसूचित कर दी गई है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद सामान्य तथा तत्काल दोनों श्रेणियों में नए पासपोर्ट और नवीनीकरण के लिए पहले की तुलना में अधिक शुल्क देना होगा। ऐसे में पुराने शुल्क पर आवेदन करने के इच्छुक लोगों के पास 30 जून तक का समय रहेगा। नई दरों के अनुसार 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के आवेदकों के लिए 36 पृष्ठ वाले नए अथवा नवीनीकरण पासपोर्ट का सामान्य शुल्क 2,500 रुपये तथा तत्काल शुल्क 5,000 रुपये होगा। 60 पृष्ठ वाले पासपोर्ट के लिए सामान्य शुल्क 3,500 रुपये और तत्काल शुल्क 6,000 रुपये निर्धारित किया गया है। खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के दोबारा जारी होने पर 36 पृष्ठ वाले पासपोर्ट के लिए सामान्य शुल्क 5,000 रुपये तथा तत्काल शुल्क 7,500 रुपये देना होगा। 60 पृष्ठ वाले पासपोर्ट के लिए यह शुल्क क्रमशः 6,000 रुपये और 8,500 रुपये रहेगा। 18 वर्ष से कम आयु के आवेदकों के लिए 36 पृष्ठ वाले नए पासपोर्ट का सामान्य शुल्क 1,750 रुपये तथा तत्काल शुल्क 4,250 रुपये तय किया गया है। खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए सामान्य शुल्क 4,250 रुपये और तत्काल शुल्क 6,750 रुपये रहेगा। पुलिस सत्यापन प्रमाणपत्र, समर्पण प्रमाणपत्र, वैश्विक प्रवेश कार्यक्रम सत्यापन तथा अन्य पासपोर्ट आधारित प्रमाणपत्रों का शुल्क 750 रुपये और पहचान प्रमाणपत्र का शुल्क 1,000 रुपये निर्धारित किया गया है। आठ वर्ष तक के बच्चों तथा 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को नए पासपोर्ट आवेदन पर 10 प्रतिशत शुल्क छूट पहले की तरह मिलती रहेगी। यह छूट केवल नए आवेदन पर लागू होगी। वयस्कों के पासपोर्ट की वैधता 10 वर्ष तथा नाबालिगों के पासपोर्ट की वैधता पांच वर्ष या 18 वर्ष की आयु पूरी होने तक, जो पहले हो, रहेगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि पासपोर्ट यात्रा दस्तावेज है, नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है।

प्रशासन के आश्वासन पर थमा पाठा मुक्ति मोर्चा का अनशन, विकास कार्यों को मिली रफ्तार

कौबरा की प्रमुख मांगों पर बनी सहमति, चार दिन बाद क्रमिक अनशन स्थगित

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कौबरा परिसर में 20 जून से पाठा मुक्ति मोर्चा और क्षेत्र के लोगों के सहयोग से विकास संबंधी मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन चौथे दिन प्रशासन के सकारात्मक आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया। उपजिलाधिकारी मानिकपुर ने जिलाधिकारी के निर्देश पर अनशन स्थल पहुंचकर आंदोलनकारियों से वार्ता की और विभिन्न मांगों पर चरणबद्ध कार्रवाई का भरोसा दिया।

प्रशासन ने आश्वासन दिया कि 15 दिनों के भीतर ग्राम पंचायत कौबरा तथा उसके सभी मजरों में हर घर जल योजना के अंतर्गत पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। तीन दिनों के भीतर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी। जुलाई के प्रथम सप्ताह में मुरली पहाड़ क्षेत्र में विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। ग्राम पंचायत कौबरा में संचालित देशी और विदेशी मदिरा दुकानों के संबंध में विभागीय प्रक्रिया पूरी कर एक माह के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अन्य मांगों को भी संबंधित विभागों को भेज दिया गया है।

आंदोलन के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की नियुक्ति, उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा देने, हर घर जल योजना के प्रभावी संचालन, कौबरा गुंता नदी, बराछी नदी और हनुवा क्षेत्र के पुलों की ऊंचाई बढ़ाने, चिफुला सड़क निर्माण शुरू कराने, मुरली पहाड़ के पर्यावरण संरक्षण, पुलिस चौकी निर्माण, मदिरा दुकानों को बंद कराने तथा कौबरा-हनुवा-बंधी संपर्क मार्ग के चौड़ीकरण जैसी मांगें प्रमुख रूप से उठाई गईं।

आंदोलन का नेतृत्व पाठा मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लवकुश कुमार भारती और उपाध्यक्ष नन्दलाल सिंह आजाद ने किया। इसकी सफलता में पिंटू भारती, प्रकाश अंबेडकर, लवलेश उर्फ पालेश्वर पंडित, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार सतीश मिश्रा, ग्रामवासियों और क्षेत्रवासियों का सहयोग रहा। लवकुश कुमार भारती ने कहा कि संगठन प्रशासन के आश्वासनों का स्वागत करता है। यदि निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो आगे की रणनीति तय कर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन फिर शुरू किया जाएगा।

देशभर के विषय विशेषज्ञों से संवाद कर समाज जागरूकता की नई पहल ; अंकित तिवारी का अभियान बना चर्चा का केंद्र

मेजा तहसील निवासी समाजकर्मी अंकित तिवारी ने सामाजिक जागरूकता और बौद्धिक संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश के विभिन्न राज्यों के विषय विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, इतिहासकारों, साहित्यकारों, पर्यावरणविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से व्यापक संपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने गांधी दर्शन, राजनीति, कानून, लैंगिक असमानता, कृषि, शिक्षा, संस्कृति, इतिहास, स्वास्थ्य, परिवार, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, नशामुक्ति, दलित एवं आदिवासी समाज, सनातन धर्म, पंचायत व्यवस्था, जनआंदोलन, आर्थिक असमानता, नदियों एवं जलस्रोतों के संरक्षण तथा सूचना का अधिकार सहित अनेक समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया।

इस अभियान के अंतर्गत दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड सहित कई राज्यों के विशेषज्ञों से संवाद किया गया। इनमें पूर्व कुलपति प्रोफेसर जनक पांडेय, डॉ. राजा राम मोहन यादव, प्रोफेसर गिरीश त्रिपाठी, प्रोफेसर एम.पी. दुबे, प्रोफेसर के.बी. पांडेय, प्रोफेसर हेरंब चतुर्वेदी, प्रोफेसर हरिशंकर उपाध्याय, प्रोफेसर रामचंद्र त्रिपाठी, प्रोफेसर धनकर ठाकुर, लेखक भरत दोषी, प्रोफेसर विमल त्रिपाठी, रामधीरज, रमन त्यागी, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, आचार्य हरिकृष्ण शुक्ल, साहित्यकार अजामिल, प्रोफेसर अर्चना चंद्रा, उषा विश्वकर्मा, प्रोफेसर हरिदत्त शर्मा, पद्मश्री लक्ष्मण सिंह, पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, पर्यावरणविद अनिल प्रकाश, पद्मश्री हिम्मत राम, डॉ. चंद्रशेखर प्राण, कुलभूषण उपमन्यु, पूर्व सचिव सुनील कुमार और प्रोफेसर विक्रम हरिजन सहित सैकड़ों लोगों से संवाद शामिल रहा। इस पहल को समाज में रचनात्मक विचार-विमर्श और जनजागरण की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

आईएएस डॉ. रश्मि सिंह को मिला दादा साहिब फालके भारत गौरव सम्मान, कार्यालय में किया गया सम्मानित

भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी डॉ. रश्मि सिंह को दादा साहिब फालके भारत गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान नई दिल्ली स्थित राजेंद्र भवन, आईटीओ में आयोजित समारोह के अंतर्गत घोषित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन राजश्री वर्मा, डॉ. ऋषि वर्मा तथा राजश्री फिल्म प्रोडक्शन एंड एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। निर्धारित कार्यक्रम में डॉ. रश्मि सिंह को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना था, लेकिन सरकारी दायित्वों में व्यस्त रहने के कारण वह समारोह में उपस्थित नहीं हो सकीं। इसके बाद आयोजकों ने उनके कार्यालय पहुंचकर सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया। राजश्री फिल्म प्रोडक्शन एंड एकेडमी की प्रमुख एवं निर्माता राजश्री वर्मा ने डॉ. रश्मि सिंह के कार्यालय पहुंचकर उन्हें ट्रॉफी और स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर उनके प्रशासनिक कार्यों और समाज के प्रति योगदान की सराहना की गई। आयोजकों ने कहा कि यह सम्मान उन व्यक्तित्वों को समर्पित है जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किए हैं।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में एफआईआर दर्ज, ट्रस्ट पदाधिकारियों के नाम न होने से उठे नए सवाल

राम मंदिर के चढ़ावा प्रकरण में लंबे इंतजार के बाद अयोध्या कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शिकायत श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की ओर से दी गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 306, 316 (5), 317 (4), 317 (5), 61 और 35 के तहत मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी में रमाशंकर यादव (टिन्नू), अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ल, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्र, सुभाष तथा करुणेश को नामजद किया गया है। प्राथमिकी में ट्रस्ट के किसी पदाधिकारी का नाम शामिल नहीं होने से इस पहलू को लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इससे पहले इस प्रकरण को लेकर कई तरह के सवाल उठते रहे थे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग भी की जाती रही। अब पुलिस की विवेचना पर सभी की नजरें टिकी हैं कि जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और किन तथ्यों का खुलासा होता है। यह मामला सार्वजनिक चर्चा का विषय बना हुआ है। कई माध्यमों में इसके विभिन्न पहलुओं पर लगातार खबरें प्रकाशित और प्रसारित होती रही हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि जांच की पारदर्शिता और निष्पक्षता इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण होगी।

खंडार पुलिस की कार्रवाई, 60 पव्वे अवैध देशी शराब जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

खंडार। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खंडार थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 60 पव्वे अवैध देशी शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्ताधिकारी ग्रामीण रामेश्वर जाट के सुपरविजन में थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, 27 जून की रात करीब 10 बजे सीएसपी बहरावंडा खुर्द के सामने नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी ली गई। बाइक पर रखे प्लास्टिक के कट्टे से 60 पव्वे अवैध देशी शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी शराब को गांवों में बेचने के लिए ले जाना बता रहे थे। शराब के परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने हेमराज बैरवा (40) निवासी छाण तथा विमलेश गुर्जर (32) निवासी छाण, थाना खंडार को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों से पूछताछ जारी है।

पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

11 केवी लाइन और बिजली आपूर्ति बाधित होने से गौशाला में पेयजल संकट, बिजली विभाग से शीघ्र समाधान की मांग

कई बार शिकायत के बावजूद नहीं हुआ समाधान, गोवंश की देखभाल पर मंडराया संकट

रिपोर्टर - मुकेश मीना

मुण्डावर/खैरथल-तिजारा, 28 जून। तहसील मुण्डावर के चिरूनी स्थित बाबा श्री मनीराम सामूहिक गौशाला आश्रम संस्था ने बिजली विभाग को प्रेस नोट जारी कर गौशाला में उत्पन्न गंभीर विद्युत समस्या के समाधान की मांग की है।

प्रेस नोट के अनुसार, गौशाला के बाड़े के ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन को अन्यत्र स्थानांतरित कराने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इस संबंध में विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

गौशाला प्रबंधन ने बताया कि पिछले कई दिनों से गौशाला की बिजली आपूर्ति भी बाधित है, जिससे पानी की मोटर बंद पड़ी हुई है। इसके कारण गोवंश को बाहर से पानी लाकर पिलाना पड़ रहा है, जिससे गौशाला को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रबंधन के अनुसार, इस समस्या को लेकर 26 जून 2026 को विभाग के टोल फ्री नंबर पर शिकायत (कम्प्लेंट संख्या 2116470003828) भी दर्ज कराई गई थी, लेकिन 28 जून तक भी बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई। विभाग की ओर से शिकायत के निस्तारण का आश्वासन दिया गया, लेकिन स्थिति यथावत बनी हुई है।

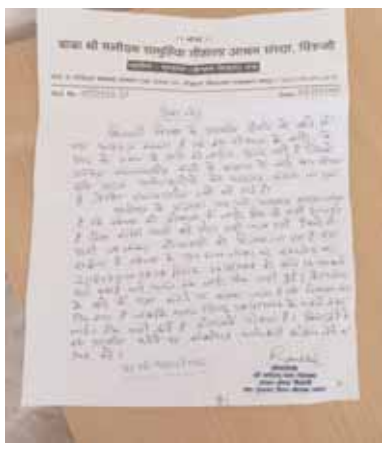

गौशाला समिति ने बिजली विभाग से मांग की है कि गोवंश के हित को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सुचारु कराई जाए तथा 11 केवी लाइन को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे।

बसवा पुलिस ने 15 वाहनों के चालान काटे।

अलवर सिकंदरा हाइवे पर विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की।

बसवा(दौसा)रामरतन मीणा। पुलिस ने अलवर-सिकंदरा मेगा हाईवे पर विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 15 वाहनों के चालान काटे हैं। यह कार्रवाई बसवा पुलिस थाने के सामने की गई।

पुलिस ने बिना नंबर की गाड़ियों, काली फिल्म लगी गाड़ियों, बिना हेलमेट पहने वाहन चालकों, बंपर लगे वाहनों और अवैध पत्थर ले जा रहे साधनों के खिलाफ चालान जारी किए।

यह अभियान पूरे प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। बसवा पुलिस के एएसआई शीशराम के नेतृत्व में हरीश गुर्जर सहित एक टीम ने इन चालानों को काटा।

एएसआई शीशराम ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

चालान काटने से हाईवे पर वाहनों की गति नियंत्रण, हेलमेट का उपयोग और काली फिल्म के प्रयोग में कमी आई है।

जिला कलेक्टर ने बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का किया शुभारंभ

28 से 30 जून तक चलेगा विशेष अभियान, जिले के 1,69,723 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

रिपोर्टर -मुकेश मीना

खैरथल-तिजारा, 28 जून। जिला अस्पताल भिवाड़ी में रविवार को जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने पांच वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने जिला अस्पताल परिसर में नवनिर्मित मदर लैब का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि जिले में 28, 29 एवं 30 जून तक पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान जिले के 1,69,723 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आरसीएचओ डॉ. सूआ लाल ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिलेभर में 1,124 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। 29 एवं 30 जून को मेडिकल टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी जो किसी कारणवश बूथ पर नहीं पहुंच पाए। अभियान की निगरानी के लिए 135 सुपरवाइजर, 46 मोबाइल टीमें तथा 23 ट्रांजिट टीमें तैनात की गई हैं, ताकि जिले का कोई भी पांच वर्ष तक का बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अभिभावक अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा पोलियो मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग दें। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. सागर अरोड़ा, खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज यादव, पल्स पोलियो प्रभारी डॉ. सुशीला मीणा, डॉ. कैलाश राजोरा, डॉ. इंद्रपाल यादव, डॉ. के.के. शर्मा सहित अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

6 महीने तक पुलिस को चकमा देता रहा, 25 हजार का इनामी ड्रग तस्कर, ANTF ने बिछाया ऐसा जाल कि खुद गिरफ्त में आ गया

राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में फैला था नशे का नेटवर्क, फर्जी नाम से बस में सफर कर रहा था आरोपी, ऑपरेशन मदमलाज में बड़ी सफलता।

जयपुर/जालोर। राजस्थान में नशे के कारोबार पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने एक और बड़ा प्रहार किया है। पिछले छह महीने से पुलिस को लगातार चकमा देकर राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में ठिकाने बदल रहा ?25 हजार का इनामी ड्रग तस्कर जालम सिंह आखिरकार ANTF के बिछाए जाल में फंस गया। ऑपरेशन मदमलाज के तहत की गई इस कार्रवाई में टीम ने तस्कर को उसी की चाल में फंसाकर गिरफ्तार किया। यह ANTF द्वारा दबोचा गया 70वां फरार तस्कर है। जांच में सामने आया कि जालम सिंह कभी मजदूरी करता था, लेकिन जल्दी अमीर बनने की चाह ने उसे ड्रग्स माफिया बना दिया। वह एमडी ड्रग्स में मिलावटी पाउडर मिलाकर उसकी मात्रा

बढ़ाता और गुजरात में ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था। देखते ही देखते उसने अंतरराज्यीय तस्करी का नेटवर्क खड़ा कर लिया। करीब छह माह पहले ANTF ने उसके एक साथी को गिरफ्तार किया था। तभी से जालम सिंह फरार चल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने मोबाइल रखना तक छोड़ दिया, लगातार शहर बदलता रहा और दूसरों के फोन से ही परिवार व साथियों से संपर्क करता था, ताकि पुलिस उसकी लोकेशन ट्रेस न कर सके। आरोपी तक पहुंचने

के लिए ANTF ने फिल्मी अंदाज में ऑपरेशन तैयार किया। टीम ने तस्कर के नेटवर्क में ग्राहक बनकर एंट्री की और राजस्थान में बड़े पैमाने पर ड्रग्स सप्लाई का लालच दिया। करोड़ों के कारोबार के झांसे में आकर जालम सिंह महाराष्ट्र से राजस्थान आने के लिए तैयार हो गया। पुलिस को भनक थी कि आरोपी फर्जी पहचान का इस्तेमाल करेगा। उसने %जगदीश% नाम से निजी बस का टिकट बुक कराया, लेकिन ANTF ने बस रुकवाकर सभी यात्रियों के

पहचान पत्र जांचे। आईडी मांगते ही आरोपी घबरा गया और यहीं उसकी सारी चालाकी धरी रह गई। टीम ने मौके पर ही उसे दबोच लिया। ANTF के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि राज्य में नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और आमजन से भी ऐसी गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की है।

भिवाड़ी में रविवार को जुटि प्रजापति समाज सम्मेलन और शपथ समारोह

के साथ सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ उठाएं बड़े कदम

प्रजापति महासभा समिति, भिवाड़ी के तत्वाधान में 28 जून रविवार को प्रजापति समाज सम्मेलन एवं शपथ समारोह का आयोजन किया भव्य कार्यक्रम भगतसिंह कॉलोनी स्थित शगुन गार्डन भिवाड़ी में आयोजित हुआ जिसमें समाज के सैकड़ों प्रबुद्ध जन और पदाधिकारी ने हिस्सा लिया समाज सुधार और विकास के 11 मुख्य संकल्प

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रजापति समाज में एकजुटता लाना और लंबे समय से चली आ रही सामाजिक कुरीतियों को जड़ से खत्म करना है। कार्यक्रम के दौरान समिति और समाज के लोग निम्नलिखित 11 मुख्य बिंदुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित

कर शपथ ली कुरीतियों पर प्रहार समाज में दहेज प्रथा, बाल-विवाह और मृत्युभोज जैसी प्रथाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का संकल्प।शिक्षा को बढ़ावा शिक्षा के स्तर को सुधारने विशेषकर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने पर ज़ोर।

सामाजिक सहयोग समाज की अति गरीब बेटियों के विवाह में आर्थिक व सामाजिक सहयोग प्रदान करना तथा असहाय व पीड़ितों की मदद करना राजनीतिक भागीदारी मुख्यधारा की राजनीति में प्रजापति समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सामुदायिक विकास भिवाड़ी क्षेत्र में समाज के लोगों के लिए एक आधुनिक सामुदायिक भवन (ष्टश्वद्व्रद्वह्वठ्ठद्बह्ल4 ॥ड्डद्यद्य)का निर्माण करना।

बसवा में दुकानसे दूर अवैध खाद बिक्री।

मुसाफिर खाने में 260 रुपए का कट्टा 300 में किसानों को बेचा जा रहा है।

बसवा(दौसा) रामरतन मीणा। खाद बीज की दुकान से लगभग दो किलोमीटर दूर मुसाफिरखाने में अवैध रूप से खाद की बिक्री की जा रही है। किसानों का आरोप है कि उन्हें निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर खाद बेचा जा रहा है। मौके पर मौजूद लोगों और किसानों ने इस अवैध कारोबार का विरोध किया है। 300 में बेचा जा रहा खाद का कट्टा जानकारी के अनुसार, बसवा मंडी में %खाद बीज भंडार% नामक दुकान संचालित है। लेकिन दुकान से दूर मुसाफिरखाने में बड़ी मात्रा में खाद बेचा जा रहा है। किसानों ने बताया कि जिस खाद के कट्टे पर ?260 प्रिंट रेट है, उसे ?300 में बेचा जा रहा है। इसके अलावा, ?250 में %चाराजलाने की थैली% भी बेची जा

रही है, जिसकी किसानों को आवश्यकता नहीं है। इस मामले पर बसवा कृषि अधिकारी हरिमोहन सैनी ने बताया कि कोई भी दुकानदार अपनी दुकान से दूर खाद नहीं बेच सकता। खाद संचालक दोनों सैनी ने अपने बचाव में कहा कि वह किसानों को उचित दरों पर खास भेज रहे हैं और उन्होंने परेशान नहीं कर रही है उन्होंने दावा किया कि उन्हें मुसाफिर खाने में गोदाम संचालित करने की अनुमति मिल गई है। किसान राकेश मीणा ने अधिकारी को मौके पर बताया कि खाद बीज भंडार के नाम पर किसानों के साथ अभी कारोबारी किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को अनावश्यक रूप से 250 रुपए में पाउडर थैली जा रही है।

बघाना में फसल जुताई कर नष्ट करने का मामला, लाठी-डंडों से हमला व फायरिंग को दिया अंजाम

संजय बागड़ी (कोटकासिम) क्षेत्र के बघाना गांव में खेत में खड़ी फसल को ट्रैक्टर से जुताई कर नष्ट करने एवं विरोध में लाठी-डंडों से हमला करने सहित फायरिंग करने का एक मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि जोगेंद्र, कुलदीप समेत 30-35 लोगों के गिरोह ने उनकी खातेदारी जमीन पर बोई गई बाजरा, कपास, तिल और ढांचा की फसल को ट्रैक्टर चलाकर पूरी तरह से नष्ट कर दिया। पीड़ित मुकेश पुत्र जयलाल

जाट निवासी बघाना ने थाना कोटकासिम में तहरीर देकर बताया कि 27 जून को दोपहर करीब 12 बजे वह अपने खेत में बने मकान पर आराम कर रहे थे। इसी दौरान जोगेंद्र, पप्पू पुत्र जयनारायण, संजीव पुत्र पप्पू, साहिल

पुत्र जोगेंद्र, कुलदीप पुत्र जीतु उर्फ जीत सिंह, प्रवीण (कुलदीप का रिश्तेदार) और चंद्रशेखर (ट्रैक्टर ड्राइवर) समेत अन्य लोग दो ट्रैक्टरों (एक सफेद आयशर और दूसरा नीला फार्मट्रैक) पर सवार होकर लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उन्हें ललकारा और कहा कि ÷आज तुम्हारी खसरा नंबर 897 व 1264 वाली जमीन की फसल जोतकर नष्ट कर ही दम लेंगे, हिम्मत

है तो आओ बाहर। डर के मारे पीड़ित पीछे हट गए। थोड़ी देर बाद आसपास के कच्चे रास्ते पर 5 गाड़ियां और मोटरसाइकिलें खड़ी मिलीं। इन गाड़ियों से करीब 30-35 अज्ञात व्यक्ति हथियारबंद होकर खेत में उतरे और दोनों ट्रैक्टरों से फसल जोत दी। मुकेश ने बताया कि जब वे घटना का फोटो-वीडियो बनाने लगे तो जोगेंद्र और कुलदीप ने उनकी तरफ फायरिंग कर दी और उन्हें मारने के लिए उनका

काफी दूर तक पीछा किया लेकिन वो किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने में सफल हुए। इसी दौरान गांव के दूसरे किसान बलबीर पुत्र चुन्नीलाल मेघवाल, जिनकी बंटाई वाली बाजरे की फसल थी, ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे भी धमकाया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया हे कि आरोपी लोग भविष्य में पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी लगातार दे रहे थे। घटना की सूचना कंट्रोल रूम को दी गई। पुलिस के पहुंचने तक आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। पुलिस ने मौके पर जुताई हुई फसल देखी। प्रार्थी मुकेश, चंदूलाल, जयलाल, जलसिंह और बलबीर ने संयुक्त रूप से रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने जमाबंदी, खसरा नंबर 897 व 1264 के नक्शे भी संलग्न किए हैं। कोटकासिम थाना पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फायरिंग के बाद क्षेत्र में फैली सनसनी यह घटना ग्रामीण क्षेत्र में फसल विवाद और जमीन कब्जे को लेकर बढ़ती हिंसा की ओर इशारा करती है। स्थानीय किसानों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस इस घटना में शामिल आरोपी व्यक्तियों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी को लेकर काम कर रही है।

हत्या को सड़क हादसा दिखाने की साजिश नाकाम, दो आरोपी गिरफ्तार

अलवर जिले की प्रतापगढ़ थाना पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि मामले की जांच में सामने आया कि आरोपियों ने हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने की साजिश रची थी।

आरोपियों ने बिजली ग्रिड के पास इको वैन से पीछे से टक्कर मारकर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। जांच में हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 27 जून 2026 को आरोपी रामदेव मीणा उर्फ कालूराम तथा रंगलाल मीणा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी प्रतापगढ़ थाना क्षेत्र के चांदपुरा गांव के निवासी हैं।

पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की आगे की जांच कर रही है।

रामगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार इनामी फरार आरोपी गिरफ्तार

अलवर जिले की रामगढ़ थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए चार इनामी फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में तीन आरोपी छह वर्ष पुराने वाहन चोरी के मामले में वांछित थे और प्रत्येक पर ?2,000 का इनाम घोषित था।

इसके अलावा मादक पदार्थ तस्करी और साइबर अपराध से जुड़े मामले में ?5,000 के इनामी आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी थाना रामगढ़ के टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल थे।

गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जिले की राजगढ़ थाना पुलिस, डीएसटी, सदर थाना और टहला थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नाबालिग बालिका के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में 25 हजार रुपये के इनामी मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को शरण देने वाले उसके एक सहयोगी को भी दबोच लिया है। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन में गठित विशेष टीमों ने मामले की गंभीरता को देखते हुए लगातार 24 घंटे तक अभियान चलाया। इस दौरान 220 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसके आधार पर मुख्य आरोपी राहुल मीणा, निवासी करनावर, बसवा (दौसा), जो पेशे से टैक्सी चालक है, को गिरफ्तार किया गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक हरिओम शर्मा के लिए श्रीराम ऑफसेट 6, शॉपिंग सेन्टर, माधोविलास के सामने, जोरावर सिंह गेट के पास, आमेर रोड, जयपुर - 302002 (राज.) से मुद्रित, प्लाट नम्बर 10 माँ भवानी विस्तार नगर , विजयपुरा, आगरा रोड़ पुरानी जयपुर राज. 302031 से प्रकाशित । संपादक - हरिओम शर्मा, मो. 9362862449,8058314720, Mail- tisriaankhkijwala@gmail.com